चौथी मुंबई का सपना है सुहाना, मगर कहां से कहां तक फैला होगा शहर, बजट में यह नहीं बताया

भास्कर एक्सपर्ट

अक्षत खेतान, संस्थापक-एयू कार्पोरेट एडवायजरी एंड लीगल सर्विसेज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वाढवण के आसपास चौथी मुंबई बसाने की घोषणा की है। वसई-विरार से लेकर पालघर तक के लोगों के लिए यह सुहाना सपना है। लेकिन, बजट में यह नहीं बताया गया है कि पश्चिमी लाइन पर यह शहर कहां से कहां तक फैला होगा। जितनी जल्दी हो सरकार को यह खाका खींच देना चाहिए। नए शहर में सड़क, पेयजल, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के लिए अरबों रुपए की जरूरत पड़ेगी। लेकिन, बजट में इसके लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। हालांकि तीसरी मुंबई के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने 4 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा है। उम्मीद है कि आगामी समय में चौथी मुंबई के लिए भी इसी तरह के इंतजाम किए जाएंगे। वैसे राज्य सरकार का यह फैसला सही है। क्योंकि पश्चिमी उपनगरों का विस्तार डहाणू तक हो चुका है। यहां रहनेवाले लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाओं की दरकार है। उम्मीद है कि नवी मुंबई की तरह चौथी मुंबई को भी सुनियोजित शहर के रूप में बसाया जाएगा। वाढवण में विश्व स्तरीय बंदरगाह का विकास किया जा रहा है। विरार-अलीबाग कॉरिडोर बनाने का काम भी शुरू है। बोइसर-तारापुर का विशाल औद्योगिक क्षेत्र भी वहां है।

बुलेट ट्रेन के महाराष्ट्र में जो तीन स्टेशन बनाए जाने हैं, उनमें से दो पालघर में हैं। विरार-डहाणू के बीच लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए अतिरिक्त रेलवे लाइन बिछाई जा रही है। भायंदर से विरार के बीच मेट्रो लाइन के विस्तार का काम भी शुरू है। वाढवण के आसपास अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने की भी घोषणा की गई है। कुल मिला कर मुख्यमंत्री फडणवीस ने सराहनीय बजट पेश किया है। इसमें राज्य के समन्वित आर्थिक विकास पर जोर दिया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार, महिला सशक्तिकरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता दी गई है। कृषि कर्ज माफी से किसानों की स्थिति बेहतर होगी। लाडली बहन योजना जारी रखने की घोषणा से महिलाओं की आशंका दूर हुई है। यदि इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश से जुड़ीं योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की गईं तो निःसंदेह महाराष्ट्र आनेवाले वर्षों में सशक्त होगा। बजट उपायों से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।